

राजनीति में खुद आक्रामक रहना और विरोधी को आक्रामक न होने देना भी एक बड़ी सफलता मानी जा सकती है। व्यौक्तिक एक जब आक्रामक होता है तो दूसरे को रक्षात्मक होना पड़ता है। जो रक्षक्तम होता है, उसे आक्रमण का मौका नहीं मिलता है। वह बचाव में लगा रहता है, लोग जो बचाव में लगा रहता है, जो सफाई देता रहता है तो उसकी बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं तथा जो आक्रामक हो कर अपनी बात कहता है, उसकी बात को लोग गंभीरता से लेते हैं और मानते हैं कि यह सच कह रहा है। राजनीति में बड़ी सफलता यही तो होती है कि आप की बातें सुनकर जनता उस पर भरोरा करे। चाहे बात आप अपने बारे में कहें या विरोधी के बारे में करें जनता उस पर भरोसा करती है तो माना जाता है कि जनता आपके साथ है, जनता आपके साथ है मतलब जीत आपकी होगी। चुनाव प्रचार में कुछ प्रतिशत जनता को ही तो अपनी तरफ करना

बड़ी उपलब्धि

किशन सनमुखदास भावनानी

**जो आक्रामक होता
है वही जीतता है**

जापा उसे मुद्दा बनने में सफल है। हुआ यह है कि कांग्रेस छोड़ने वाले एक नेता ने अपने इंटरव्यू में खुलासा किया कि कांग्रेस में विचार किया गया है कि उनकी सरकार बनी तो सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर के पक्ष में जो फैसला दिया है, उसे पलट दिया जाएगा। यानी इसका यह अर्थ निकला गया कि कांग्रेस की सरकार बनने पर राम मंदिर को तोड़ दिया जाएगा। इसी आधार पर पीएम मोदी को कांग्रेस पर हमला करने का मौका मिल गया है और वह निरंतर हमलावर हैं। वही कांग्रेस

को सफाई देनी पड़ रही है कि वह ऐसा कुछ नहीं करने वाली है, ऊसे ऐसा आज तक कुछ नहीं किया है, वह तो मंदिरों की रक्षक है। भाजपा व पीएम मोदी जानते हैं कि कांग्रेस गाम मंदिर निर्माण की विरोधी रही है, वह तो चाहती थी कि जहां पर बाबरी मस्जिद का ढांचा था, वह ढांटा जैसा का वैसा हमेशा बना रहता। इससे उसका मुस्लिम तुष्टिकरण में बहुत आसानी होती थी, अब जहां बाबरी मस्जिद का ढांचा था, उस जगह पर राम लला का दिव्य, भव्य मंदिर बन गया है तो मुसलमान इसके लिए कांग्रेस को ही दोषी मानते हैं क्योंकि बाबरी मस्जिद की रक्षा उसको करनी थी, वह कर नहीं पाई। अदालत में भी वह जीत नहीं पाई। इसके बाद राम लला के विग्रह के प्राण प्रतिष्ठा समारोहों का बहिष्कार कर भी कांग्रेस ने अपने वोट बैंक को खुश करने का प्रयास किया। इसका उल्टा असर भी तो हिंदू समाज पर हुआ है। यानी वह तो मानेगा ही कि कांग्रेस हिंदू विरोधी रही

है। राम मंदिर विरोधी रही है। वह मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए देश का विभाजन करा सकती है, शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलट सकती है, दिल्ली की सौ से ज्याद संपत्ति बक्फ बोर्ड को दे सकती है, अपने चुनाव घोषणापत्र में मुस्लिम पर्सनल लाकी बात करती है, मुस्लिमों को धर्म के नाम पर आरक्षण देने का प्रयास कर सकती है तो हिंदुओं के पास यह मानने के अलावा कोई चारा नहीं कि कांग्रेस की सरकार बनी तो मुस्लिमों को खुश करने के लिए राम मंदिर पर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी पलट सकती है, राममंदिर को तोड़ सकती है। कांग्रेस का इतिहास रहा है कि वह मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती है, इसलिए बहुसंख्यक समाज क्यों न माने की उसे सत्ता मिलने पर फिर ऐसा कर सकती है, इसलिए बहुसंख्य तो चाहेगा कि कांग्रेस कभी सत्ता में न आए।

भारत का चाबहार बंदरगाह बनाम चीन का ग्वादर बंदरगाह



से पूरी दुनियां केसोशल प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में चाबहार व ग्वादर नाम की चर्चा खूब देखने व सुनने को मिल रही है, शुरू में तो मैं स्वयं भी चाबहार और ग्वादर का नाम बहुत दिनों से सुन रहा था परंतु दोनों क्या है उसपर ध्यान नहीं दिया। फिर दिनांक 13 मई 2024 को जब अमेरिकी विदेश विभाग की एक सख्त चेतावनी सुनी जिसमें इस बातपर जोर दिया गया था कि ईरान के साथ व्यापार करने वाली संस्थाओं जिसमें चाबहार बंदरगाह से जुड़े लोग भी शामिल हैं, को प्रतिबंधों के संभवित जेखिम का संभावित सामना करना पड़ सकता है, तो मेरा सटीक ध्यान इस मुद्दे पर गया कि आखिर व्यापों बार बार चाबहार और ग्वादर नाम सुनने को मिल रहे हैं, इसपर मैंने फिर आर्टिकल बनाने का निर्णय लिया और मीडिया, रेडियो, टीवी चैनलों पर रिसर्च शुरू किया तो पिछले तीन-चार दिनों में रिसर्च कर पूरी जानकारी निकाली और इसपर आर्टिकल तैयार किया। असल में चाबहार भारत का ईरान में एक बंदरगाह है, व ग्वादर चीन का पाकिस्तान में एक बंदरगाह है व दोनों बंदरगाहों के बीच मात्र 72 किलोमीटर की दूरी है व इससे दुनियां के कई देशों का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हित जुड़े हुए हैं, तो यह एक रणनीतिक भू-राजनीतिक लॉन्च पैड भी संदर्भित किया गया है, जिसे भारत अमेरिका चीन पाकिस्तान ईरान अफगानिस्तान सहित कई देशों की चिंताएं व बंदरगाहों की समानताओं से प्रभावित कई दूरगामी रणनीतियां शामिल हैं। चुंकि अभी वैश्विक स्तर पर चाबहार व ग्वादर बंदरगाहों ने दुनियां के ध्यान आकर्षित किया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत के ईरान में चाबहार बंदरगाह वह चीन के पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह में केवल 72 किलोमीटर की दूरी है, रणनीतिक भू-राजनीतिक लॉन्च पैड संदर्भित किया जा सकता है। साथियों वाल अगर हम भारत का चाबहार बंदरगाह बनाम चीन का ग्वादर बंदरगाह की करें तो, पाकिस्तान में चीन के ग्वादर बंदरगाह और ईरान में भारत के चाबहार, जो केवल 72 किलोमीटर की दूरी पर हैं, को क्रमशः चीन और भारत के लिए रणनीतिक भू-राजनीतिक लॉन्च पैड के रूप में संदर्भित किया गया है। दोषिण-पूर्व ईरान में ओमान की खाड़ी पर चाबहार का बंदरगाह शहर है परिस्तान और बल्चिस्तान प्रांत के मकरान तट पर ओमान की खाड़ी के करीब और होर्मूज जल डमरूमध्य का मुहाना है जहां हमको चाबहार बंदरगाह मिलता। केवल ईरान के इस बंदरगाह की हिंद महासागर तक सीधी पहुंच है। इन लैंडलॉक देशों में इसे गोल्डन गेट के रूप में जाना जाता है। समानताएँ दोनों बंदरगाहों का मेजबान देशों पाकिस्तान और ईरान और उन देशों (चीन और भारत) के लिए जो दोनों बंदरगाहों पर शिपिंग कर्टेनों और अन्य सुविधाओं के निर्माण में निवेश करते हैं, दोनों के लिए व्यापक आर्थिक महत्व है। हालांकि, उस क्षेत्र में मौजूद उग्रवाद का स्तर जहां दो बंदरगाह स्थित हैं, उनके बीच एक महावृपूर्ण अंतर है। अंतर, एक अलग तरफ पर भगत और चीन की निवेश मद्दयता की प्रक्रिया में कई

बदरगाह बनाम चीन का गवादर बदरगाह

जटिलताएं हैं जो मेजबान देशों पर उनकी आर्थिक निर्भरता की डिग्री को प्रभावित करती हैं और प्रभावित करती हैं। इसके अतिरिक्त चाबहार के विपरीत जहां भारत से कोई बाहरी जनसांख्यिकीय प्रवाह नहीं है गवादर ने बंदरगाह में काम कर रहे चीनी लोगों को समायोजित करने के लिए निपटान निर्माण में वृद्धि देखी है। अफगानिस्तान की स्थिति और प्राथमिकताएं जो मध्य एशिया के लिए इन देशों के भूमि पुल के रूप में कार्य करती हैं, एक अन्य कारक हैं। अपनी समुद्री कनेक्टिविटी के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर अपनी निर्भरता के विकल्प के रूप में अफगानिस्तान चाबहार के घटनाक्रम को एक सकारात्मक और लाभप्रद कदम के रूप में देखता है। साथियों बात अगर हम गवादर बंदरगाह के साथ जुड़ी पड़ोसी देशों व पश्चिमी देशों की चिंताओं की करें तो, गवादर ने पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत के साथ-साथ पश्चिमी देशों में भी चिंता पैदा कर दी है। पश्चिमी हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने की अपनी क्षमता के संदर्भ में। इनमें से कुछ चिंताएं हैं: सामान्य चिंताएं-प्रत्येक राष्ट्र गवादर को रणनीतिक रूप से अलग तरह से देखता है। चीन के लिए यह एक महत्वपूर्ण पारगमन मार्ग है जो इसे बीजिंग से दुर्बुद्ध की यात्रा करने की अनुमति देता है। यह चीन को अपने पश्चिमी क्षेत्रों को निकटतम बंदरगाह से जोड़ने और विस्तार करने में भी मदद करता है। इस क्षेत्र के राष्ट्र सबसे अधिक चिंतित हैं कि बंदरगाह को सैन्य रूप से रणनीतिक स्थिति में बदल दिया जा सकता है जहां चीन अपना नौसैनिक अड्डा स्थापित कर सकता है। इसके अतिरिक्त चीन उद्देश्यपूर्ण रूप से रणनीतिक अस्पष्टता की नीति अपना रहा है, जिससे क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा में किसी भी संभावित वृद्धि की प्रत्याशा में, अपने चयन के एक पल में नौसेना कार्रवाई को बढ़ावा देने का विकल्प प्राप्त कर रहा है। परिणामस्वरूप पड़ोसी देशों में सुरक्षा की स्थिति और अधिक समस्याग्रस्त होती जा रही है। इसके अतिरिक्त, यह संवेदनशील क्षेत्रीय सुरक्षा प्रणाली को और अधिक जटिल बनाता है। भारत की चिंता, भारत हमेशा चीन की मुख्य क्षेत्रीय व्यस्तताओं से परेशान रहा है। प्रचलित सर्वसमानि यह रही है कि ईरान के चाबहार बंदरगाह के निर्माण में भारत की भागीदारी गवादर में व्यापक निर्माण परियोजनाओं की प्रतिक्रिया है। जबकि गवादर एक सैन्य रणनीतिक पहल है, चाबहार केवल एक वाणिज्यिक उद्यम है। चाबहार के लिए खतरे के रूप में देखे जाने वाले गवादर के विकास के बारे में चिंता ईरान में भी मौजूद है। ईरानी सरकार ने प्रतिद्वंद्विता पर सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सदूचकना के रूप में गवादर और चाबहार के बीच एक कड़ी बनाने का सुझाव दिया है। संयुक्त राज्य अमेरिका की चिंता-पश्चिम एशियाई क्षेत्र में चीन के भू-राजनीतिक उद्देश्यों को लेकर अमेरिका (अमेरिका) में भी चिंता जताई गई है। हालांकि अमेरिका ने इस संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई बड़ी घोषणा नहीं की है, लेकिन वह गवादर के घटनाक्रम पर पैनी नजर रखे हुए है। प्रशांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों के बारे में अपनी चिंताओं के विपरीत, सामान्य रूप से पश्चिमी हिंद महासागर और विशेष रूप से गवादर में चीनी उपस्थिति के बारे में अमेरिका की बेचैनी निचले स्तर पर स्पष्ट है। साथियों बात अगर हम गवादर पोर्ट के भू-राजनीतिक प्रभाव की क्षेत्रों तो भाष्ट ने चीन के एक मौजूदी नियन्त्रियों की माला में चिंता व्यक्त की है। शत्रुता की स्थिति में, भारत चीनी आयात को जलाडमरुमध्य से गुजरने से रोक सकता है। गवादर बंदरगाह का विकास ओमान की खाड़ी और अरब सागर में इसकी नौसैनिक सुरक्षा के माध्यम से भारत के ऊर्जा और तेल के आयात के एक महत्वपूर्ण हिस्से के लिए खतरा है। अंडमान सागर में भारतीय समुद्री निगरानी के परिणामस्वरूप पाकिस्तान में गवादर बंदरगाह में चीनी रुचि बढ़ सकती है। भारत ने चाबहार बंदरगाह विकसित करके जवाब दिया, जो पाकिस्तान में चीन द्वारा निर्मित गवादर बंदरगाह से सिर्फ 76 समुद्री मील की दूरी पर है। रूस, मध्य एशियाई राष्ट्रों और अफगानिस्तान के साथ व्यापार संरप्त में सुधार के लिए, भारत ने चाबहार बंदरगाह के निर्माण के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। चाबहार विशेष आर्थिक क्षेत्र में निवेश के लिए भारत ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यहां लिंक किए गए पेज में विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसीजेड) के बारे में और जानकारी है। चाबहार हाजीग कॉरिडोर का विकास भारत की प्राथमिकता है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि अफगान सरकार ने भारतीय फर्मों को हाजीग कॉरिडोर के बहु-अरबडॉलर का ड्रीम प्रोजेक्ट किए हैं। वीआरआई चीनी राष्ट्रपति का एक बहु-अरबडॉलर का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसे 2015 में लॉन्च किया गया था। वीआरआई का लक्ष्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के जरिए विश्व स्तर पर बीजिंग के प्रभाव को बढ़ाना है। यह अंततः एक बड़े राजमार्ग और रेल नेटवर्क के माध्यम से दक्षिण पश्चिमी पाकिस्तान में गवादर और उत्तर पश्चिमी चीन में झिजियांग शहरों को जोड़ने का प्रयास करता है। प्रस्तावित परियोजना को काफी सब्सिडी वाले ऋणों द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा जो चीनी बैंक पाकिस्तान सरकार को प्रदान करेंगे। जब 13 नवंबर, 2016 को चीनी कार्गो को गवादर पोर्ट पर स्थानांतरित किया गया, तो सीपीईसी ने काम करना शुरू कर दिया। जबकि कुछ महत्वपूर्ण बिजली परियोजनाएं 2017 के अंत तक पूरी हो गईं। साथियों बात अगर हम भारत के चाबहार पोर्ट से अमेरिका को चिढ़ लगाने की करें तो, भारत और ईरान के बीच हुई डील से अमेरिका की चिढ़ा हुआ है। अमेरिका शुरू से इसका विरोध करता रहा है। अब एक बार फिर उसने चेतावनी दी है। अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदे करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंध लगाए जाने का संभावित खतरा है, उसने यह भी कहा कि वह जानता है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण ईरान के चाबहार बंदरगाह को संचालित करने के लिए 10 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। याने 10 साल तक इसके संचालन कीजिम्मेदारी भारत की होगी। भारत ईरान के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, इससे उसे मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी, ये बंदरगाह 7,200 किलोमीटर लंबा है, इसके जरिए भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अमेरिन्या, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ट्रांसाईट की जाएगी।

मेष राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जलदबाजी में कोई भी फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। संतान की कोई नकारात्मक गतिविधि का पता चलने से आपकी चिंता बढ़ सकती है जिसे आप किसी की सहायता से सुलझा लेंगे। परिस्थितियों को गुरुसे में हल न करें, धैर्य रखेंगे तो सब जल्दी ही ठीक हो जायेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। महिलाएं आज रसईंधर में व्यस्त रहेंगी।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉफर्टी से संबंधित कोई काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपको मानसिक सुकून मिलेगा। आज बेवजह की आवाजाही अवैयड करेंगे तो फायदा होगा। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा।

मिथुन राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत की जरूरत है। आज आप लेनदेन में सावधानी रखेंगे तो अनेक वाली किसी समस्या से बच जाएंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी कोई ऑफिशियल यात्रा संभव है। आपका कोई दोस्त आपको फोन कर के आपको सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहभाति जातयेंगे। तरक्की आज आपके कदम चूमेगी। आपको अपना कारोबार बढ़ाने के लिए आज कई मौके मिलेंगे।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल भी हो जाएंगी। इस समय कोई नया कार्य शुरू न करें, आज के कार्यों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभाव बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के बातवरण को खुशनुमा बनाये रखेगा। साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी। जो लोग आपके विरोधी हैं आज ऑफिस में के काम में आपकी राय मारेंगे। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आयेगा, ट्रांसफर से जुड़ी अच्छी खबर मिलेंगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा। आज घर परिवार की बातों को गहराई से समझने की कोशिश करेंगे। दांपत्य जीवन में शांति का बातवरण बना रहेगा। इस राशि के लवमेट आज धूमने जाएंगे।

कन्या राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका खुशनुमा दिन बीतेगा। मित्रों के साथ मनोरंजन का मौका मिलेगा। अगर प्रॉफर्टी के सेल-परचेज संबंधी कोई योजना बन रही है तो उस पर तुरंत अमल करें। लाभदायक योग बन रहे हैं। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रसें खुलेंगी। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। कोई आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से अपको बचाना चाहिए।

तुला राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज स्टूडेंट अपनी योग्यता से कोई महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। पारिवारिक और व्यवसायिक गतिविधियों में संतुलन बना रहेगा। किसी भी काम के जल्दी पूरा करने की सोच रखें। अगर किसी विशेष संस्था से जुड़े हैं तो उससे संबंधित गतिविधियों में अपना योगदान अवश्य दें, इससे आपको सुकून मिलेगा और मान-सम्मान भी बढ़ेगा। बाहर की मसालेदार चीजों को खाने से बचें आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज वाहन चलाते समझा सावधानी बरतें।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए शुभ रहने वाला है। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं। कारोबार में कुछ न कुछ चुनौतियां रहेंगी हालांकि आपकी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। रुकी हुई पेंट मिलने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। लवमेट एक-दूसरे के लिए उचित सामंजस्य और सहयोग की भावना रखें। आज आपको अधिकारियों से व्यवहार अच्छा रहेगा। आज आप कुछ जरूरी काम टाल भी सकते हैं। जायदाद से जुड़े कामकाज में सावधानी रखने के जरूरत है।

धनु राशि: आज आपको किसी अपने से कोई अच्छा खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घेरे कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूँढ़ने का प्रयास करेंगे, इसमें आप सफल भी होंगे। परिवार के किसी सदस्य को बढ़ी उपलब्धि मिलने से घर में उत्सुक का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आप कोई अच्छा कलाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छे धन लाने कराएगा। नए प्रॉजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों के सहयोग मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। घर के कामों में आपका पैसा लग सकता है। कोई भी फैसला शांति से लें। आज बातचीत करने में मधुरता रहेगी तो आपके लिए अच्छा है। आज आपके किसी उच्चअधिकारी से मुलाकात के योग बन रहे हैं। आपका कोनया काम शुरू हो सकता है। अगर किसी बजह से उलझन बनी हुयी है तो आपको मानसिक सुकून मिलेगा। आज व्यक्तिगत व्यस्तता के बाद भी कुछ समय वरिष्ठ और अनुभवी लोगों के साथ बिताएंगे। आज आपको काजनकारियों मिलेंगी। आप नई चीजें सीखेंगे। दांपत्यजीवन में खुशखबरी होगी। लेखन के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई खुशखबरी मिलेंगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिये खास होने वाला है। आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन हैं। आपको सम्मान दिलाएगा। आज परिवारिक माहौल अच्छा रहेगा। आज किसी समारोह में आपकी जिमेदारी बढ़ सकती है जिसे आप बखूबी पूरा भी करेंगे। धैर्य से काम लेंगे तो काम में आसानी होगी। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते में मधुरता बढ़करार रहेगी। आज आपकी सकारात्मक सोच आपके लिये हितकर साबित होगी। अच्छानक धन लाभ होनी की उम्मीद है।

मीन राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में दौड़-धूप करेंगे। इस राशि के छात्र जो तैयारी कर रहे हैं, उन्हें सफलता जल मिलेंगी। आज दान पुण्य के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज आपकी बातों से दोस्त प्रभावित होंगे। गृहस्थ जीवन में सुखी रहेगा। बिजली व्यापारियों को आज अधिकतम लाभ होगा। आज आपके स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव हो सकता है। बजाएं की मेडेन के रसायन ग्रन्ति आवश्यक रहेगा।

त्यंग्य

चिंतन

तनवीर जाफ़र

पिलपिलाने वाला पिलास्टिक

१०८

भेरे पहाड़ियों और एक साफ़-सुथरी नदी के बीच बसा था। एक समय था जब गाँववाले प्रकृति के साथ मेलजोल से रहते थे। वे ज़मीन पर खेती करते, नदी में मछली पकड़ते, और लकड़ी, मिट्ठी और अन्य प्राकृतिक सामग्रियों से अपने समान बनाते थे। लेकिन एक दिन, गाँव के चौराहे पर एक अजीब आगंतुक आया, जो अपने साथ एक चमकदार, रंगीन और पूरी तरह से अपरिचित सामग्री लेकर आया: प्लास्टिक। वह आगंतुक, एक चालाक सेल्समैन था। जिसका नाम था मिस्टर पॉली एथिलीन, ने अपना स्टॉल लगाया और इस अद्भुत सामग्री के गुणगान करने लगा। महिलाओं और सज्जनों, उसने घोषणा की, प्लास्टिक के चमत्कारों को देखो! यह टिकाऊ, बहुमुखी और हर रंग में आता है जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। अपने पुराने तरीकों को अलविदा कहें और भविष्य को

प्लास्टिक से भर गए जिसे वे पचा नहीं सकते। गाँववाले भयभीत हैं। अपनी प्यारे जानवरों को अस्थायी कब्रों में दफनाना पड़ा, जिन्हें टेट-छोटे प्लास्टिक के क्रॉस से चिह्नित किया गया। गाँव की एक बार की साफ-सुथरी नदी दूलने लगी। साफ पानी गंदा हो गया जब प्लास्टिक की बोतलें, रैपर और अन्य कचरे ने उनके किनारे भर दिए। मछलियाँ, जो कभी वुर मात्रा में थीं, गायब होने लगीं, और ववाले जो अपनी आजीविका के लिए छली पकड़ने पर निर्भर थे, संघर्ष करने लगे। गाँव के चौराहे पर इकट्ठा हुए, हाथ में प्लास्टिक के जाल लिए, और मिस्टर पॉली एथिलीन से ऊर की उमीद करने लगे। डरिए नहीं! उन्होंने कहा। मेरे पास समाधान है! और एक धूमधाम के साथ, उन्होंने अपना नवीनतम आविष्कार पेश किया: प्लास्टिक पुनर्वर्कण मशीन। बस अपने अनचाहे प्लास्टिक को इस आधुनिक इंजीनियरिंग के चमत्कार डालें, और यह इसे कुछ नया और उपयोगी

का सबसे बड़ा पर्व
यानी लोकसभा का
आम चुनाव अपने
समाप्ति की ओर
अग्रसर है। देश के
चुनावी इतिहास में
2024 का चुनाव
हमेशा याद रखा
मोदी व उनके सहयोगी
ने जुलाबंदी से इस बार
ज़हर घोलने व झूठ पर
गान स्थापित करने की
ले कभी नहीं देखा गया।
वैसे तो पिछले दस वर्षों
तक इसी में लगा रखी
रारोधियों को टुकड़े टुकड़े
उड़ाने पाकिस्तानी बताया
ना विरोधी बताया जाये
जाये, मुस्लिम परस्त व
बित किया जाये, पिछले

जन्म भूमि प्राण प्रतिष्ठा को राजनैतिक रंग
ने के इस भाजपा व संघ के आयोजन को
विकार करेंगे और तब इन्हें यह मौका मिलेगा
भाज कहते पिस रहे हैं ? मोदी जी रामलला का
प्रतिष्ठा का निर्माण तुकराने को लेकर उन
शंकराचार्यों पर क्यों नहीं बोलते जिन्होंने
निर्माण स्वीकार नहीं किया और इस
जन को भी विधि विधान के विरुद्ध बताया
? आज भी एक शंकराचार्य वे
डके की चोट पर कह रहे हैं कि
प्राण प्रतिष्ठा पुनः की जायेगी, मदिर
निर्माण अभी केवल 30 प्रतिशत
हुआ है और अधूरे मदिर में प्राण
प्रतिष्ठा पूरी तरह अनैतिक व
अवैधानिक है। परन्तु शंकराचार्य
की इन बातों का कोइ जवाब नहीं
देता जो खुद 22 जनवरी के इस
जन को पूरी तरह राजनैतिक आयोजन बताते
? पिछले दिनों इसी नफरती व्यानबाजियों की

आर बानगा उत्तर पूर्वा दिल्ली के थाना ननपुर इलाके के करतार नगर में तब देखने मेली जब दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू अर्सटी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष और उत्तर दिल्ली से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार या कुमार को उहें माला पहनाने के बहाने से उनकी रकीब पहुचे दो लोगों ने उनपर पहले स्थानी पिर अचानक थपथप्पे से हमला भी कर दिया और बीच आम आदमी पार्टी की महिला निगम के साथ भी हाथापाई की गई। निनिगम पार्षद का आरोप है कि उनके साथ गड़ भी की गई है। इस दौरान चार लोगों को वशजा का दश के लिये बालदान दन का कानून इतिहास नहीं है ? यह आरोप उनके द्वारा लगाया जायें जो खुद समाज को धर्म जाति क्षेत्र व भाषा के नाम पर लडवाकर देश के टुकड़े टुकड़े करने चाह रहे हों और देश को हिंसा व नफ़्रत की आजां में झोंकने के लिये प्रयासरत हों ? सवाल यह है कि अनेकता में एकता का दर्शन देने वाले गुलदस्त-ए-हिन्द में गत दस वर्षों से सत्ता व सत्तर की दलाल मीडिया द्वारा जिस 'विष बेल' की नफ़रत, साम्प्रदायिकता, झूठ-पाख़ुंड व पूंजीवाद से सींचा गया है क्या अब वह फलती फूलती दिखाए देने लगी हैं ?

काउंटडाउन: रणनीति के साथ करें रिवीजन

के माध्यम से होगी और 4
ने भी लैंगिकता।

एजाम टिप्स: यूजीसी नेट परीक्षा जून 2024

यह परीक्षा अब पेन पेपर के माध्यम से होगी और अंतिम सेमेस्टर विद्यार्थियों को भी मौका मिलेगा। को ध्यान में रखना- पेपर-1 पेपर-2 दोनों के देना, अनुभवी लोगों की मदद लें। एक संतुलित बनाएं। इस परीक्षा के लिए सबसे अहम है, पूर्ण ध्यान से पढ़ना, टॉपिक को समझना, यदि कठिनाई है तो ध्यक्ष अनुभव लोगों की मदद लें।

- की- पॉइंट्स बनाएं।
- पूर्ण एवं खंड वाइस मॉक टेस्ट बनाएं।
- विकल्पों के बारे में जाने।
- चर्चा करें।
- विशेषज्ञों की मदद लें।
- क्रिक्केट रिवीजन करें।
- पिछले वर्षों के प्रश्नों को हल करें।
- अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान दें।
- आराम करें और जल्दी रिफ्रेश हो।

एक नजर
एक सम्मान उनके लिए जो
जीते हैं दूसरों के लिए



तेंदूपता के नगद भुगतान के लिए ग्रामीणों ने की विधायक, कलेक्टर से मुलाकात

बैंक का चक्कर लगाने से घर में भुगतान मिलना सरल, साल भर ग्रामीणों का लेनदेन न होने के चलते हजारों संग्राहकों के खातों में लग जाता है होल्ड

■ इस वर्ष जिले में लक्ष्य से अधिक
हुवा तेंदूपता का संग्रहण, ग्रामीणों
को 11 करोड़ की राशी का होना है
भुगतान

धारसीवा 20 मई। गत दिनों रायपुर के होल्ड संचानिया सरोकर पोर्टिको में अंतर के समाज सेवियों को छ ग शासन के उप मुख्यमंत्री अरुण साव के द्वारा सम्पादित किया गया। सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अलावा सुवोध संचानिया चैयरमैन संचानिया एप्प, इंट्रक्यूमार साहू, विधायक अभन्पुर विधानसभा, द्वारका साहू, चैयरमैन रायपुर होल्ड व छत्तीसगढ़ के जिले माने भरव व सारी कलाकार दिलीप घडी भी उपस्थित थे। सम्मान समारोह में बलौदाबाजार के समाजसेवी टिकेंद्र उपाध्याय को उनकी विधाया 35 वर्षों से निरंतर की जा रही समाज सेवा के लिए प्रशंसित पर व स्पृष्टिचार्त होने के समाना किया गया। विदित को कि टिकेंद्र उपाध्याय ने कोरोना काल में यीडीओ पैडिट परिवारों, कोरोना वाररिसें, कर्मियों, लैकडाउन में पुलिस कर्मियों, स्वच्छा सेवकों को उनके कर्तव्य में सहयोग किया और पैडिटों की सेवा की। इसके अलावा करोड़ 16 ग्रामीण निधन कन्याओं का पूरे रीत रिवाज के साथ विवाह कराया वे आज भी समाज के वर्चानों के लिए सतत कार्यरत हैं। यह जनने में बाह युवा अतिथि अरुण साव उप मुख्यमंत्री ने टिकेंद्र उपाध्याय का सम्मान करते हुए कहा कि समाज को ऐसे ही स्व स्वरूप समाज सेवियों व समाज सेवी संगठनों की आवश्यकता है जो निःस्वार्थ भाव से सेवा के क्षेत्र में आगे आए। टिकेंद्र उपाध्याय सेवा सुगंधित समाजिक जन कल्याण समिति के संस्थानियों हैं, इसी समिति के तत्वाधान में सेवा कार्य रख रहे हैं। इस अवसर पर संस्था के रेन डिवियो, राजेन्द्र पांडेय, अराजिप उपाध्याय, सन्ती साहू, प्राची चिनोत उपाध्याय उपस्थित थे। लाभम् 150 लोगों को मुख्य अतिथि अरुण साव द्वारा सम्पादित किया गया।

रायगढ़, 20 मई। बैंक का चक्कर लगाने से घर में भुगतान मिलना सरल, साल भर ग्रामीणों का लेनदेन न होने के चलते हजारों संग्राहकों के खातों में लग जाता है होल्ड भुगतान होने से हमारा पैसा बहुत ही कम समय में हमारे हाथों में मिल जाता है। कोई परेशानी भी नहीं होती। बची खातों में भुगतान होने

■ शासकीय उद्यान रोपणी कुंजारा का भी
किया निरीक्षण

रायगढ़, 20 मई। कलेक्टर श्री कार्तिकेय गोयल विकासखण्ड लैलूंगा के दौर पर पहुंचे। यहाँ उन्होंने पाकरगांव के पंडोरातालाब में चल रहे तालाब गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रमिकों से मजदूरी भुगतान के बारे में जानकारी ली, श्रमिकों ने बताया कि नियमित रूप से भुगतान मिल जाता है। कलेक्टर श्री गोयल ने उनसे यहाँ बजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जानकारी ली। इस दौरान सीधी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव, डीएफओ रायगढ़ सुनी शायलों मंडवी,

डीएफओ धरमजयदान श्री अधिकारी जोगवत भी साथ उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री गोयल लैलूंगा के बारे में संक्षिप्त उद्यान रोपणी भी पहुंचे। जहाँ इसी उद्यान में 21 प्रकार की प्रजाति के आम फसल लगे हुए हैं। साथ ही यहाँ लीची फसल का भी उत्पादन किया गया है।

कलेक्टर श्री गोयल ने पूरे उद्यान परिसर का मुआवयन किया और आम फसल की बागवानी को देखकर उद्यान प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने उद्यान में मिस्टर चैंबर एवं



से सबसे बड़ी समस्या बैंक का चक्कर लगाने, गाँव से रोजाना गाड़ी किराया कर पैसे के लिए बैंक आने, होल्ड लगे खातों को सुधारवाने, कम

पहुंचे होने के कारण बैंक स्लिप भरने संबंधी अनेक समस्या होती है।

खेती में सबसे ज्यादा काम आता है तेंदूपता संग्रहण का पैसा

तेंदूपता संग्रहण भुगतान की राशि का उपयोग सबसे ज्यादा खेती-किसानों हेतु एवं बस्तान से पहले नाप जोने संबंधी कारों में उपयोग किया जाता है। तेंदूपता का समय पर नाप भुगतान होने पर नाप लेते कलेक्टर आदि के भुगतान में सहभयता मिलती है। विधायक ने दिया नगद भुगतान का आश्वासन

ग्रामीणों द्वारा तेंदूपता संग्रहण के नगद भुगतान की राशि का उपयोग सबसे ज्यादा खेती-किसानों हेतु एवं बस्तान से पहले नाप जोने संबंधी कारों में उपयोग किया जाता है। तेंदूपता का समय पर नाप भुगतान होने पर नाप लेते कलेक्टर आदि के भुगतान में सहभयता मिलती है। विधायक ने दिया नगद भुगतान का आश्वासन

कलेक्टर पहुंचे लैलूंगा, तालाब गहरीकरण का किया निरीक्षण

■ शासकीय उद्यान रोपणी कुंजारा का भी
किया निरीक्षण



रायगढ़, 20 मई। डॉ. जितेन्द्र यादव के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु निरीक्षण किया। इस दौरान

उद्यान रोपणी का काम चल रहा है। उद्यान के पैदावार के लिए उद्यान रोपणी का जाप हो रहा है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की बात की जाती है। इसके बाद डेम के माध्यम से पानी की जानकारी ली जाती है।

डेम की जानकारी के लिए उद्यान रोपणी का जाप हो रहा है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत हेतु प्राक्कलन तैयार कर जिला पंचायत को प्रेषित करने हेतु डेम की जानकारी ली जाती है।

हांडेंग चैंबर के मरम्मत ह

